भारत सरकार

रेल मंत्रालय

लोक सभा

22.03.2023 के

अतारांकित प्रश्न3 सं.3607 का उत्तर

महाराष्ट्र के लिए निधि का वितरण

3607. डॉ. प्रीतम गोपीनाथ राव मुंडे:
श्री राहुल रमेश शेवाले:
श्री गिरीश भालचन्द्र बापट:

क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) विगत पांच वर्षों के दौरान रेलवे से संबंधित सभी परियोजनाओं सहित महाराष्ट्र को वर्ष-दर-वर्ष बजट आबंटन और निधि का कितना वास्तविक संवितरण किया गया है;

(ख) विगत पांच वर्षों के लिए महाराष्ट्र में शुरू की गई परियोजनाओं का ब्यौरा क्या है , उन परियोजनाओं की स्थिति क्या है तथा परियोजना-वार कुल आवंटित बजट और वास्तविक रूप से कितनी राशि स्वीकृत की गई है;

(ग) विगत तीन वर्षों के दौरान रेलवे के अंतर्गत वर्ष-दर-वर्ष राज्य-वार, विशेषकर महाराष्ट्र में कितना बजट आवंटित किया गया और वास्तविक रूप से कितनी निधि वितरित की गयी है;

(घ) विगत पांच वर्षों के दौरान रेलवे द्वारा महाराष्ट्र राज्य से वर्ष-वार कितना राजस्व अर्जित किया गया है; और

(ङ) महाराष्ट्र में इन परियोजनाओं की वर्तमान स्थिति क्या है?

उत्तर

रेल, संचार एवं इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री

(श्री अश्िसंचनी वैष्णव)

(क) से (ङ): विवरण सभा पटल पर रख दिया गया है।

****

महाराष्ट्र के लिए निधि के वितरण के संबंध में दिनांक 22.03.2023 को लोक सभा में डॉ. प्रीतम गोपीनाथ राव मुंडे, श्री राहुल रमेश शेवाले और श्री गिरीश भालचन्द्र बापट के अतारांकित प्रश्न् सं. 3607 के भाग (क) से (ङ) के उत्तर के संबंध में विवरण।

(क) से (ग) और (ङ): रेल परियोजनाओं को क्षेत्रीय रेल-वार स्वीकृत किया जाता है, न कि राज्य-वार क्योंकि रेल परियोजनाएं राज्य की सीमाओं के आर-पार फैली हो सकती है। बहरहाल , 01.04.2022 की स्थिति के अनुसार, महाराष्ट्र राज्य में पूर्णतः/आंशिक रूप से पड़ने वाली 80,079 करोड़ रुपए की लागत वाली 6,118 किमी लंबाई की 34 रेल परियोजनाएं (16 नई लाइन, 02 आमान परिवर्तन और 1 6 दोहरीकरण परियोजनाएं) योजना/अनुमोदन/निष्पादन के विभिन्न चरणों में है, जिनमें से 1,154 कि.मी. लंबाई को पूरा कर लिया गया है और मार्च , 2022 तक 21,297 करोड़ रु. का व्यय किया गया है। इनमें निम्नलिखित शामिल हैं :-

i. **38,359 करोड़ रुपए की लागत पर 2,017 किमी की कुल लंबाई की 16 नई लाइन परियोजनाएं, जिनमें से 93 किमी लंबाई का कार्य पूरा किया जा चुका है और मार्च, 2022 तक 5,084 करोड़ रुपए का व्यय किया जा चुका है।**
ii. **7,062 करोड़ रुपए की लागत पर 580 किमी की लंबाई की 2 आमान परिवर्तन परियोजनाएं, जिसमें से 279 किमी लंबाई पूरी की जा चुकी है और मार्च 2022 तक 2,404 करोड़ रुपए का व्यय किया जा चुका है।**
iii. **34,658 करोड़ रुपए की लागत पर 3,521 किमी की कुल लंबाई की 16 दोहरीकरण परियोजनाएं, जिसमें से 782 किमी लंबाई पूरी की जा चुकी है और मार्च 2022 तक 13,809 करोड़ रुपए तक व्यय किया जा चुका है।**

महाराष्ट्र राज्य में पूर्णतया/आंशिक रूप से पड़ने वाली रेल अवसंरचनात्मक परियोजनाएं भारतीय रेल के मध्य रेलवे, दक्षिण मध्य रेलवे, दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे, दक्षिण पश्चिम रेलवे और पश्चिम रेलवे जोन के द्वारा पूरी की जाती हैं। लागत , व्यय और परिव्यय सहित रेल परियोजनाओं का जोन-वार और वर्ष-वार ब्यौरा भारतीय रेल की वेबसाइट अर्थात www.indianrailways.gov.in>Ministry of Railways>Railway Board>About Indian Railways>Railway Board Directorates>Finance (Budget)>Rail Budget/Pink Book (Year)> Railway wise Works Machinery and Rolling Stock Programme पर सार्वजनिक रूप से उपलब्ध कराया गया है।

2014 से, भारतीय रेल में अवसंरचनात्मक और संरक्षा कार्यों संबंधी परियोजनाओं के लिए बजट आवंटन और तदनुरूपी कमिशिनिंग में काफी वृद्धि हुई है। महाराष्ट्र राज्य में पूर्णतया/आंशिक रूप से पड़ने वाली अवसंरचनात्मक परियोजनाओं और संरक्षा संबंधी कार्यों के लिए औसत वार्षिक बजट आबंटन को 2009-14 के दौरान 1,171 करोड़ रु. प्रति वर्ष से बढ़ाकर 2014-19 के दौरान 4,801 करोड़ रु. प्रति वर्ष किया गया है जो 2009-14 के दौरान औसत वार्षिक बजट

आवंटन से 310% अधिक) है। इन परियोजनाओं पर वार्षिक बजट आबंटनों को बढ़ाकर वित्त वर्ष 2019-20 में 7,281 करोड़ रु. (2009-14 के औसत वार्षिक आबंटन से 522% अधिक), वित्त वर्ष 2020-21 में 6,700 करोड़ रु. (2009-14 के औसत वार्षिक बजट आबंटन से 472% अधिक), वित्त वर्ष 2021-22 में 8,547 करोड़ रू. (2009-14 के औसत वार्षिक बजट आबंटन से 630% अधिक) और वित्त वर्ष 2022-23 में 11,903 करोड़ रू. (2009-14 के औसत वार्षिक बजट आबंटन से 916% अधिक कर दिया गया है। वित्त वर्ष 202 3-24 हेतु, इन परियोजनाओं के लिए अभी तक का अधिकतम बजट परिव्यय 13,539 करोड़ रु. प्रस्तावित किया गया है जो 2009-14 के औसत वार्षिक बजट आबंटन से 1056% अधिक है।

वर्ष 2014-22 के दौरान, महाराष्ट्र राज्य में पूर्णतया/आंशिक रूप से पड़ने वाले 1141 किमी खंडों (118 किमी नई लाइन , 136 किमी आमान परिवर्तन और 887 कि.मी. दोहरीकरण) को 142.63 किमी प्रति वर्ष की औसत दर से पूरा किया गया है , जो 2009-14 की कमीशनिंग (58.4 कि.मी. प्रति वर्ष) से 144% अधिक है।

(घ): भारतीय रेल द्वारा अर्जित राजस्व का ब्यौरा क्षेत्रीय रेल-वार रखा जाता है, न कि राज्य-वार। महाराष्ट्र भारतीय रेल के मध्य रेलवे , दक्षिण मध्य रेलवे, दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे, दक्षिण पश्चिम रेलवे और पश्चिम रेल जोनों द्वारा कवर होता है। पिछले पांच वर्षों के दौरान इन पांच क्षेत्रों के भारतीय रेल के कुल सकल राजस्व का ब्यौरा निम्नानुसार है:

(करोड़ रु. में)

क्षेत्र	2017-18	2018-19	2019-20	2020-21	2021-22
मध्य	13703.03	15387.84	14302.42	9223.18	14325.93
दक्षिण मध्य	16332.10	18043.71	15817.54	10814.29	16901.79
दक्षिण पूर्व मध्य	13091.26	14127.44	13792.04	13821.34	16739.22
दक्षिण पश्चिम	4816.60	4945.98	4871.29	3669.68	5455.23
पश्चिम	12397.01	14010.47	11552.40	7884.07	12018.62

****